द्वितीय सेमेस्टर				
<u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (तबला) के प्रयोगत्मक पक्ष में दक्ष बनाना है।				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
4	**प्रयोगात्मक - 4**	एम0पी**0**ए0एम0टी0-5**0**8	**350**	**7**
प्रथम खण्ड	**इकाई 1 -** सभी विस्तृत तालों में 1 पेशकार, 1 कायदा, 1 रेला, गत, परन, चक्करदार, टुक्ड़े व तिहाई ।			
	इकाई 2 - पाठ्यक्रम की तालों (पखावज अंग की) को तबले पर बजाना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों(पखावज अंग की) में टुकड़े, परन व तिहाई बजाना।			
	इकाई 4 - पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ व कुआड़) में पढन्त ।			
	इकाई 5 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढन्त ।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा ।			
	इकाई 7 - गायन, वादन एवं नृत्य के साथ संगत का ज्ञान ।			
	इकाई 8 - कहरवा व दादरा में लग्गी-लड़ी बजाने का अभ्यास ।			
	इकाई 9 - तबला मिलाने का ज्ञान ।			
नोट –विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए तालों के अनुरूप अध्ययन करें।				
द्वितीय सेमेस्टर *विस्तृत ताल - एकताल व 9 मात्रा की ताल* — *अविस्तृत ताल - विष्णु ताल, शिखर ताल, ब्रहम ताल व दादरा।*				
सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री - **1.**वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** । **2**. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद। **3**. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद । **4**. श्री मधुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र, अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद ।		**5**. डॉ**0** आबान ई**0** मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद । **6**. डॉ**0** अरूण कुमार सेन, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।		